लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

कार्तिक शुक्ल पक्ष पूर्णिमा विक्रम संवत 2080

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 5, अंक 10, पृष्ठ 16, मूल्यः 6 रुपये

बरेली, सोमवार, 27 नवंबर 2023

www.amritvichar.com

PAGE NO. 06 : BOTTOM

जामुन का पेड़ : सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार की कहानी

अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को नाटक जामुन का पेड़ की प्रस्तुति हुई। नाटक में सरकारी दफ्तर में पनपती अराजकता और भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया गया, जिसकी कहीं और कोई भी सुनवाई नहीं है।

नाटक की शुरुआत मुख्य पात्र संपत लाल से होती है। संपत लाल सड़क बनवाने की जानकारी लेने सचिवालय जाता है। वहां उसकी मुलाकात चपरासी चमन से होती है। जो उसे ऊपरी कमाई का मुर्गा समझता है, तभी मौसम खराब हो जाता है और संपत लाल को

एसआरएमएस रिद्धिमा सभागार में किया गया नाटक का मंचन।

दफ्तर से भागना पड़ता है। वह सचिवालय परिसर से बाहर जाने की कोशिश करता है। इसी समय वहां लगा जामुन का पेड़ गिर जाता है और संपत लाल उसके नीचे दब जाता है। फिर वो फाइल इस ऑफिस से उस ऑफिस में घूमती रहती है। अंत में पांच दिन बाद पेड़ काटने की अनुमति मिल जाती है, लेकिन तब तक संपत लाल की मौत हो जाती है। साहित्यकार कृष्ण चंद्र की कहानी का नाट्य रूपांतरण डॉ. अश्विनी कुमार ने और निर्देशन विनायक कुमार श्रीवास्तव ने किया। इसमें अभिनव ने संपत लाल, सौम्य ने चमन, सूर्य प्रकाश ने कल्लू माली, आशुतोष अग्निहोत्री ने सुपरिटेंडेंट रामपाल, शिवम यादव ने बाबूराम क्लर्क, सुनिधि मालिक ने ज्योति, आस्था शुक्ला ने मालती की भूमिका निभाई। तीन कवियों की भूमिका में अंशुल चौहान, सोनालिका, शिवानी रहे। कांस्टेबल की भूमिका में जितेंद्र और डॉ. जोड़ सिंह की भूमिका में प्रतुल सक्सेना रहे। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. रीता शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।